हिन्दी दैनिक

बस्ती के लोग

TITLE CODE : UPHIN01728

सिद्धार्थनगर | मंगलवार 23 दिसम्बर 2025 | वर्ष : 03 | अंक : 257 | मूल्य : 2 रूपया | पृष्ठ : 4

विधानसभा में कोडीन कफ सिरप को लेकर सपा का हंगामा, सरकार ने कहा, यूपी में एक भी बच्चे की मौत नहीं हुई

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने कोडीन कफ सिरप के कथित अवैध कारोबार को लेकर हंगामा किया और अध्यक्ष के आसन के सामने आकर सरकार विरोधी नारे लगाए। वर्ष 2025 के तृतीय सत्र (शीतकालीन) की शुरुआत शुक्रवार को हुई और उस दिन सपा के दिवंगत सदस्य सुधाकर सिंह को श्रद्धांजलि देने के बाद सदन की बैठक सोमवार 11 बजे तक के लिए अध्यक्ष सतीश महाना ने स्थगित कर दी थी। सोमवार को कोडीन के मुद्दे पर चर्चा कराये जाने की मांग करते हुए विपक्षी सदस्यों ने आरोप लगाया कि इस कफ सिरप से सैकड़ों बच्चों की जान गई है। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने इससे इंकार करते हुए दावा किया कि उप्र में इससे एक भी मौत नहीं हुई है। विधानसभा सत्र की शुरुआत में प्रश्नकाल के समय नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कोडीन का मामला पूरे प्रदेश में जाल की तरह फैला है और यह बहुत दिनों से चल रहा है, डब्लूएचओ

ने भी इसका संज्ञान लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके सेवन से सैकड़ों बच्चों की जान गई है और हजारों करोड़ रुपये का धंधा भी हुआ है। पांडेय ने कहा इसकी जानकारी सरकार को पहले हो जानी चाहिए थी। सरकार के पास इंटेलिजेंस है, सरकार के पास खुफिया एजेंसियां हैं, इनको पहले इसकी जानकारी हो जाती और उस हिसाब से कार्रवाई की गई होती तो सैकड़ों बच्चों की जान को बचाया जा सकता था। नेता प्रतिपक्ष ने कहा आरोप प्रत्यारोप चल रहा है तो इस पर चर्चा करा लें और मुख्यमंत्री सरकार का पक्ष स्पष्ट करें। कहा जा रहा है कि इसमें सपा के लोग हैं तो मेरी मांग है कि अगर सपा के लोग हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन साथ ही जो दूसरे लोग इसमें शामिल हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने इस पर चर्चा कराए जाने की मांग की। संसदीय कार्य वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा उप्र में इससे एक भी मौत नहीं हुई है, ये जो आरोप लगा रहे हैं गलत है। खन्ना ने कहा कोडीन के मुद्दे पर चर्चा के लिए सरकार तैयार है। बड़े पैमाने पर लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। विपक्ष के पास नकारात्मक सोच के अलावा कोई एजेंडा नहीं है। केवल नकारात्मकता फैलाना और समाज को गुमराह करना इनका एजेंडा है। इस बीच सपा के सदस्य विरोध स्वरूप अध्यक्ष के आसन के सामने आ गये और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विपक्षी सदस्यों से कई बार सीट पर बैठने का अनुरोध किया। महाना ने कहा आपने (सपा) नियम 56 (सदन की कार्यवाही रोककर चर्चा कराने की मांग) के तहत नोटिस दिया है और जब उसका समय आएगा तो आपको जानकारी मिलेगी। अभी आप प्रश्नकाल चलने दीजिए, आप जो तथ्य लेकर आए हैं, उस पर सरकार जवाब देगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा आप हमारी चर्चा स्वीकार कर लीजिए। महाना ने कहा कि नियम 56 का समय आएगा तो सरकार जवाब देगी। ''तब दोनों पक्षों की बात सुनकर अगर लगेगा कि चर्चा की जरूरत है तो चर्चा कराई जाएगी। महाना ने कहा ''संसदीय मंत्री ने कहा कि एक भी मौत कोडीन से नहीं हुई लेकिन आप कह रहे हैं कि मौत हुई है। इसके बाद उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपील की कि वे अपने स्थानों पर लौट जाएं और कार्यवाही चलने दें।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच एफटीए पर मुहर, पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री लक्सन से फोन पर की बात

नयी दिल्ली(एजेंसी)। न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को बेहद गहरा करेगा, बाजार पहुंच को व्यापक करेगा और निवेश प्रवाह को बढ़ावा देगा। भारत ने सोमवार को बयान में यह बात कही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और न्यूजीलैंड के उनके समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन ने दोनों देशों के बीच एक ''ऐतिहासिक'' मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत संपन्न होने की सोमवार को घोषणा की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने फोन पर बातचीत की जिसके बाद मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता संपन्न होने की घोषणा की गई। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, '' दोनों नेताओं ने ऐतिहासिक, महत्वाकांक्षी एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत–न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते के सफल समापन की संयुक्त रूप से घोषणा की।'' इसमें कहा गया है कि दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जाहिर की कि नौ महीने के रिकॉर्ड समय में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का संपन्न होना दोनों देशों के बीच संबंधों को और गहरा करने की साझा महत्वाकांक्षा एवं राजनीतिक इच्छाशक्ति को दर्शाता है। विदेश मंत्रालय ने कहा, '' यह मुक्त व्यापार समझौता, द्विपक्षीय आर्थिक जुड़ाव को गहरा करेगा, बाजार पहुंच को व्यापक बनाएगा, निवेश प्रवाह को बढ़ावा देगा तथा दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा। साथ ही यह, दोनों देशों के नवोन्मेषकों, उद्यमियों, किसानों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, छात्रों तथा युवाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर खोलेगा।''इसमें कहा गया है कि दोनों नेताओं ने अगले पांच वर्ष में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के साथ–साथ अगले 15 वर्ष में न्यूजीलैंड के भारत में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने को लेकर विश्वास व्यक्त किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा, '' दोनों नेताओं ने खेल, शिक्षा एवं लोगों के बीच संबंधों जैसे द्विपक्षीय सहयोग के अन्य क्षेत्रों में हासिल की गई प्रगति का भी स्वागत किया। साथ ही भारत–न्यूजीलैंड साझेदारी को और मजबूत करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।''

कॉन्स्टेबल की बहादुरी और टला बड़ा हादसा, रिहायशी इमारत से निकाला जलता हुआ सिलेंडर

नयी दिल्ली (एजेंसी)।दिल्ली के मोहन गार्डन इलाके में एक कॉन्स्टेबल ने अपनी जान जोखिम में डालकर एक रिहायशी इमारत से जलते हुए रसोई गैस सिलेंडर को बाहर निकाला और दमकल विभाग के पहुंचने से पहले ही आग को बुझा दिया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

द्वारका के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अंकित सिंह ने न्यूज एजेंसी को बताया कि मोहन गार्डन इलाके की एक इमारत में आग लगने की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाओं को सतर्क किया गया था। अधिकारी के अनुसार, जब पुलिस दल और दमकल वाहन घटनास्थल की ओर बढ़ रही थीं, तभी स्थानीय 'बीट' स्टाफ के कॉन्स्टेबल अनिल वहां पहुंचे। उन्होंने स्थिति का आकलन किया और देखा कि इमारत के अंदर फंसे निवासियों की जान को गंभीर खतरा है। डीसीपी ने कहा, अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए कॉन्स्टेबल ने तुरंत परिसर के भीतर जाने का जोखिमपूर्ण निर्णय लिया। उन्होंने जलते हुए गैस सिलेंडर को खींचकर बाहर निकाला और लपटों को शांत किया, जिससे आग को फैलने से रोका जा सका। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि स्थिति अत्यंत गंभीर थी और जरा सी भी देरी होने पर बड़ा विस्फोट हो सकता था, जिससे जान–माल का भारी नुकसान होता। डीसीपी ने कहा, कॉन्स्टेबल ने अद्भुत सूझबूझ और अदम्य साहस का परिचय दिया।

पश्चिम बंगाल: टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने बनाई जनता उन्नयन पार्टी, बताया कितनी सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

बेलडांगा (एजेंसी) ।मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद जैसी मस्जिद की आधारशिला रखने पर तृणमूल कांग्रेस द्वारा निलंबित किए जाने के कुछ दिनों बाद, पश्चिम बंगाल के विधायक हुमायूं कबीर ने सोमवार को जनता उन्नयन पार्टी नामक एक नई पार्टी का गठन किया। कबीर ने बेलडांगा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आठ उम्मीदवारों के नाम बताए जिन्हें उनकी नई पार्टी राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों में उतारेगी।

भरतपुर के विधायक कबीर ने कहा कि वह मुर्शिदाबाद की दो सीट, रेजिनगर और बेलडांगा से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, हम आपको बाद में ही बता पाएंगे कि हम अंततः कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। कबीर ने कहा कि उनका लक्ष्य विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सत्ता से बेदखल करना है। राज्य में विधानसभा चुनाव होने में छह महीने से भी कम समय बचा है। उन्होंने आरोप लगाया, ममता बनर्जी अब वैसी नहीं रहीं जैसी मैं उन्हें जानता था। वह आम आदमी की पहुंच से बाहर हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि कबीर तृणमूल कांग्रेस को सत्ता में वापस लाने में मदद करने के लिए

काम कर रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने दावा किया, ''आगामी विधानसभा चुनावों में कबीर कोई निर्णायक भूमिका नहीं निभाएंगे। उन्हें अपने पुराने मित्र तृणमूल कांग्रेस के साथ करारी हार का सामना करना पड़ेगा, जिसके साथ वह अब भी गुप्त रूप से संपर्क में हैं। बंगाल की जनता कबीर और उनकी नई पार्टी–दोनों को ही खारिज कर देगी। उन्होंने दावा किया कि कबीर विधानसभा चुनावों में भाजपा के वोटों को बांटनेष् की कोशिश कर रहे हैं। भट्टाचार्य ने दावा किया, बांग्लादेश की स्थिति के मद्देनजर, बंगाल के लोग कबीर के प्रयासों को विफल करेंगे और भाजपा जैसी एक मजबूत राष्ट्रवादी ताकत को चुनेंगे, केवल वह ही कट्टरपंथियों को हरा सकती है। कबीर की नई पार्टी पर तृणमूल कांग्रेस ने अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। बाबरी मस्जिद जैसी मस्जिद बनाने की कबीर की घोषणा के बाद मचे बवाल के बीच तृणमूल कांग्रेस ने चार दिसंबर को उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। छह दिसंबर को कबीर ने रेजिनगर में मस्जिद की नींव रखी थी। छह दिसंबर 1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद को ध्वस्त किया गया था। कबीर का पिछले 10 वर्षों में राज्य की लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक पार्टियों से संबंध रहा है।साल 2015 में, उन्हें तृणमूल कांग्रेस ने छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया था, क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की थी और आरोप लगाया था वह पार्टी प्रमुख अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को 'राजा' बनाने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने 2016 के विधानसभा चुनाव में रेजिनगर सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा, लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी से हार गए।

बाद में वह कांग्रेस में शामिल हो गए, जिसकी उस समय जिले में काफी मजबूत उपस्थिति थी, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले वह भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा ने उन्हें मुर्शिदाबाद लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया और वह तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के उम्मीदवारों के बाद तीसरे स्थान पर रहे। इसके बाद वह तृणमूल कांग्रेस में वापस लौट आए और 2021 में भरतपुर से विधायक बने।

पश्चिम बंगाल: ममता बनर्जी ने एसआईआर से पहले बूथ-स्तरीय सहायकों के लिए कार्यसूची की तैयार

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दूसरे चरण के दौरान पार्टी के बूथ–स्तरीय सहायकों (बीएलए) को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में सोमवार को विस्तृत निर्देश जारी किये। कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में एक जन सभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने चरणबद्ध कार्यसूची की रूपरेखा प्रस्तुत की और सतर्कता, पारदर्शिता और जमीनी स्तर पर भागीदारी पर जोर दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से बाहर न रह जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि मृत, स्थानांतरित और अनुपस्थित मतदाताओं की सूचियां आधिकारिक वेबसाइटों पर प्रकाशित की जाएंगी और साथ ही जिला, उपमंडल, ब्लॉक और नगरपालिका कार्यालयों में भी प्रदर्शित की जाएंगी। बीएलए को इन सूचियों के आधार पर घर–घर जाकर सत्यापन करने का निर्देश दिया गया ताकि यह पता लगाया जा सके कि हटाए गए या अनुपस्थित के रूप में दिखाये गये कोई भी मतदाता वास्तव में दिए गए पते पर रह रहे हैं या नहीं ।यदि ऐसे मतदाता पाए जाते हैं, तो बीएलए को उन्हें पुनः नामांकन के लिए फॉर्म 6 और अनुलग्नक 4 को निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) को

जमा करने में सहायता करनी चाहिए। बनर्जी ने बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा ष्अमान्यष् के रूप में चिह्नित मतदाताओं की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि बीएलए को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे सभी मतदाताओं को नोटिस मिल गए हों और वे 2002 की मतदाता सूची की प्रति और चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित 11 दस्तावेजों में से किसी एक के साथ सुनवाई के लिए तैयार हों।जिनके पास आवश्यक दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें उन्होंने स्थायी निवास प्रमाण पत्र या जाति प्रमाण पत्र (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या ओबीसी, जैसा भी लागू हो) के लिए तत्काल आवेदन करने की सलाह दी। प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए, ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) कार्यालयों में सरकारी शिविर आयोजित किए जाएंगे। बीएलए को बीएलओ ऐप में तार्किक विसंगतियों के रूप में चिह्नित मामलों की बारीकी से निगरानी करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि मतदाता आवश्यक दस्तावेजों के साथ सुनवाई में उपस्थित हों। बनर्जी ने इस बात पर जोर दिया कि मतदाताओं को सुनवाई के दौरान अनावश्यक उत्पीड़न का सामना नहीं करना चाहिए और उनकी सहायता के लिए बूथ स्तरीय शिविरों का आह्वान किया। उन्होंने विधायकों, ब्लॉक अध्यक्षों और पार्षदों को जिम्मेदारी सौंपी और चेतावनी दी कि यदि आवश्यक हुआ तो कार्यहीन पार्टी नेताओं को बदल दिया जाएगा। उन्होंने कहा, कई पार्षद काम नहीं करते और पार्टी की बदनामी ही करते हैं। जरूरत पड़ने पर मैं नए ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त करूंगी। जो अच्छा काम करेंगे, उन्हें जिम्मेदारी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बीएलए को फॉर्म 6 और फॉर्म 8 के माध्यम से जमा किए गए आवेदनों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया। आवेदकों की सहायता करते समय, फॉर्म 6 जमा करने वाले 20 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों की विशेष रूप से जांच करने की सलाह दी गई।

वन भूमि अतिक्रमण पर पर बोली सुप्रीम कोर्ट-मूक दर्शक की तरह बैठी है उत्तराखंड सरकार

नयी दिल्ली उच्चतम न्यायालय ने वन भूमि पर अतिक्रमण के मामले में सोमवार को उत्तराखंड सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि राज्य सरकार और उसके अधिकारी ''मूक दर्शक'' की तरह बैठे रहे और अदालत ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव को एक जांच समिति गठित करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा, ''हमारे लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि उत्तराखंड सरकार और अधिकारी अपनी आंखों के सामने वन भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को मूक दर्शक की तरह देख रहे हैं। इसलिए हम इस मामले पर स्वतः संज्ञान ले रहे हैं।'' न्यायालय ने कहा, ''उत्तराखंड के मुख्य सचिव और प्रधान संरक्षण सचिव को एक तथ्य अन्वेषण समिति गठित करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया जाता है। निजी पक्षों को किसी भी प्रकार का तीसरा पक्ष बनाने से रोका जाता है और कोई भी निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा।'

कांग्रेस ने रेल मंत्री का मांगा इस्तीफा, कहा- मोदी सरकार ने लोगों का ट्रेन से चलना किया मुश्किल

नयी दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने रेल किराये में वृद्धि को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने

लोगों का ट्रेन से यात्रा करना मुश्किल बना दिया है। पार्टी प्रवक्ता अजय कुमार ने यह भी कहा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि ''उनके रहते रेलवे की हालत खराब हो गई है।'' रेल मंत्रालय ने बीते रविवार को घोषणा की थी कि 215 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए साधारण श्रेणी के टिकट में प्रति किलोमीटर एक पैसा और मेलध्एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की गैर–वातानुकूलित श्रेणी व सभी ट्रेन की वातानुकूलित श्रेणियों में प्रति किलोमीटर दो पैसे की वृद्धि की जाएगी। नई दरें 26 दिसंबर 2025 से प्रभावी होंगी। कुमार ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया, ''अश्विनी वैष्णव 2024 में तीसरी बार मोदी सरकार बनने के बाद से दो बार रेल का किराया बढ़ा चुके हैं। वह इतने चतुर हैं कि यह बताते हैं हमने एक पैसा या दो पैसा प्रति किलोमीटर के हिसाब से किराया बढ़ाया है, लेकिन आम जनता के ऊपर 100–200 रुपये तक का भार पड़ता है।'' उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 साल में रेलवे का किराया 107 प्रतिशत तक बढ़ चुका है तथा मोदी सरकार ने लोगों का ट्रेन से चलना भी मुश्किल कर दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, ''रेल मंत्री का कहना है कि किराया बढ़ाने से रेलवे को 600 करोड़ रुपये का मुनाफा होगा। जबकि रेलवे में खाने की थाली 120 रुपए की हो चुकी है, जो 2014 में 30 रुपये की थी। स्टेशनों की पार्किंग में कार पार्किंग का चार्ज 30 मिनट के बाद 500 रुपये लिया जा रहा है। मोदी सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों को दी गई छूट को खत्म कर दिया है।'' कुमार के अनुसार, कैग की रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रेन में मिलने वाला खाना लोगों के खाने लायक नहीं है। उन्होंने कहा, ''2014 से अब तक 712 ट्रेन हादसे हुए हैं, जिसमें 768 लोगों की मौत हुई है। सरकार को समझना होगा कि रेलवे भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, न कि वसूली का साधन।'' कुमार ने मांग की, ''पूरे देश की रेल लाइन में सुरक्षा कवच की व्यवस्था की जाए। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इस्तीफा दें,।

माघ मेले को लेकर पूर्वोत्तर रेलवे की बड़ी तैयारी, जल्द शुरू करेगा रिंग रेल सेवा

प्रयागराज(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगने वाले माघ मेले को लेकर सभी विभाग अपने अपने तरीके से लोगो को राहत देने की कवायद शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में पूर्वोत्तर रेलवे (एनईआर) ने दो रिंग रेल सेवा जल्द ही शुरू करने की घोषणा की है। माघ मेले के दौरान प्रयागराज में उत्तर मध्य रेलवे के बाद पूर्वोत्तर रेलवे पहली बार रिंग रेल सेवा की शुरुआत करने जा रहा है। इसका संचालन झुंसी रेलवे स्टेशन से होगा। रिंग रेल एक जनवरी से 17 फरवरी 2026 तक चलेगी। सिटी–छपरा–थावे–सीवान–भंटनी संचालित होगी। सुबह 9.00 बजे तक झुंसी से गाड़ी संख्या 05101 की रवानगी होगी जो ज्ञानपुर रोड 10.02 बजे, माधो सिंह 10.22 बजे, बनारस 11.20 बजे, वाराणसी जं. 11.40 बजे, वाराणसी सिटी 12.05 बजे, सारनाथ 12.17 बजे, औड़िहार दोपहर 12.50 बजे, गाजीपुर सिटी 1.35 बजे, यूसुफपुर 1.55 बजे, सीवान रात 8.35 बजे, मैरवा 8.54. बजे, भाटपार रानी 9.12 बजे और रात 9.39 बजे भटनी पहुंच जाएगी। वहां से रात 10.00 बजे चलकर ट्रेन बेलथरा रोड 10.23 बजे, इंदारा 10.50 बजे, मऊ 11.15 बजे, दुल्लेहपुर 11.38 बजे, जखनियां 11.53 बजे,औड़िहार रात 12.25 बजे, सारनाथ 12.54 बजे, वाराणसी सिटी 01.20 बजे, वाराणसी 01.40 बजे, बनारस 02.00 बजे, माधो सिंह 02.35 बजे, ज्ञानपुर रोड 03.03 बजे और सुबह 4.15 बजे वापस झुंसी पहुंच जाएगी। मऊ–भटनी–सीवान–थावे–छपरा–बलिया–गाजीपुर सिटी–वाराणसी सिटी–झुंसी रिंग रेल अनारक्षित विशेष गाड़ी की रवानगी झुंसी से दिन में 2.30 बजे होगी जो शाम 4.35 बजे बनारस, शाम 7रू15 बजे मऊ, रात। 8.50 बजे भटनी, रात 9.55 बजे सीवान, रात 2.00 बजे छपरा, रात 3.05 बजे बलिया, सुबह 4.20 बजे गाजीपुर सिटी आदि स्टेशनों पर रुकते हुए सुबह 6.40 बजे बनारस पहुंचेगी।

मनरेगा को खत्म करने के फैसले के खिलाफ जनआंदोलन की तैयारी में कांग्रेस : जयराम रमेश

नयी दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि ग्रामीण आबादी के लिये रोजगार की गारंटी की वह शुरु से ही समर्थक रही है और यही वजह है कि उसके नेतृत्व वाली सरकार ने 1970 में महाराष्ट्र में ग्रामीणों को सूखे के संकट से उबारने के लिए रोजगार गारंटी योजना शुरु कर दी थी। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोमवार को यहां एक बयान में कहा कि 1970 के दशक में भीषण सूखे के बाद, महाराष्ट्र में वी. पी. नाइक के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ग्रामीण संकट से निपटने के लिए अग्रणी रोजगार गारंटी योजना की शुरुआत की थी।उन्होंने कहा कि यह तो शुरुआत भर थी, इसके बाद 1980 के दशक के आरंभ में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने दो नयी योजनाओं राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम (एनआरईपी) और ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम (आरएलईजीपी) शुरु कर दी थी। फिर 1990 के दशक की शुरुआत में, प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिंह राव–जो उस समय ग्रामीण विकास मंत्री भी थे ,उन्होंने देश के 100 सबसे गरीब जिलों में रोजगार आश्वासन योजना की घोषणा की ।कांग्रेस नेता ने कहा ष्अप्रैल 2002 की शुरुआत में कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों की बैठक हुई,।

सुरक्षा बलों ने कश्मीर में बख्शी स्टेडियम के आसपास के इलाकों में चलाया तलाशी अभियान

श्रीनगर(एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने यहां बख्शी स्टेडियम के आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बख्शी स्टेडियम कश्मीर में गणतंत्र दिवस समारोह का मुख्य आयोजन स्थल है। अमीराकदल और महाराजा बाजार के घनी आबादी वाले व्यावसायिक क्षेत्रों की कुछ आवासीय इकाइयों में विस्फोटक, हथियार और गोला–बारूद की तलाश के लिए खोजी कुत्तों और 'मेटल डिटेक्टर की मदद ली गई।

सम्पादकीय

आंखें तरेरता बांग्लादेश

अपने विदेश दौरों की गिनती बढ़वा कर और सबसे अधिक देशों से वहां का सर्वोच्च सम्मान हासिल करने का रिकार्ड अपने नाम करवाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगे हुए हैं। उनके लिए शायद बड़ी उपलब्धि यही होगी कि कितने राष्ट्राध्यक्षों को उन्होंने झप्पी दी है, कितनों के साथ कार में अकेले सवारी की है और कितनों को पहले नाम से बुलाते हैं। लेकिन मोदी से पहले भारत की विदेश नीति की धमक इस कारण से बनी हुई थी कि वह गुट निरपेक्ष आंदोलन का प्रणेता था, वैश्विक शक्तियों के सामने नवोदित देशों को सम्मान के साथ खड़े होने का आदर्श उसने पेश किया और तीसरी दुनिया के देश भारत को बड़े भाई की तरह देखते थे। पाकिस्तान के साथ तो भारत के रिश्ते हमेशा नरम–गरम रहे, लेकिन पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश, पड़ोसी देश नेपाल, भूटान, श्रीलंका, म्यांमार सब पर भारत का रसूख बना हुआ था, जो अब लगभग खत्म हो चुका है। इन सब देशों के साथ संबंध अभी सामान्य हैं, लेकिन जो गर्माहट पहले हुआ करती थी, वो मोदी सरकार के आने के बाद खत्म हो गई है।खास तौर पर बांग्लादेश के साथ तो हमेशा से एक अपनापा रहा है। वहां का मुक्ति संग्राम भारत के कारण सफल हुआ। दोनों देशों का राष्ट्रगान रवीन्द्रनाथ टैगोर ने लिखा है, इस बात पर भी नागरिकों को खुशी होती थी। दोनों देश पाकिस्तान की सैन्य तानाशाही के नुकसान देख चुके हैं। इसके अलावा अविभाजित भारत का हिस्सा होने के कारण सांस्कृतिक, भाषायी, धार्मिक इतिहास की साझेदारी भी रही है। लेकिन अब वही बांग्लादेश भारत को न केवल तोड़ने की धमकी दे रहा है, बल्कि खुलकर पाकिस्तान और चीन के साथ जाते हुए भारत के योगदान की अवहेलना भी कर रहा है।बुधवार को भारत ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमिदुल्लाह को तलब कर ढाका में भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता जताई थी। इसी पर बांग्लादेश की नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के सदर्न चीफ ऑर्गेनाइजर हसनत अब्दुल्लाह ने कहा कि भारत के उच्चायुक्त को देश से बाहर निकाल देना चाहिए था। इससे पहले अब्दुल्लाह भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग करने की धमकी दे चुके हैं। बता दें कि दो महीने में यानी फरवरी 2026 में बांग्लादेश में आम चुनाव होंगे और एनसीपी ने हसनत अब्दुल्लाह को कुमिल्ला–4 से उम्मीदवार बनाया है। इसी कुमिल्ला में अब्दुल्लाह ने भारत विरोधी बातें कहीं, उन्होंने कहा कि भारत के उच्चायुक्त को देश से बाहर निकाल देना चाहिए था क्योंकि वह शेख हसीना को शरण दे रहा है। हम आपका सम्मान करें और आप देखते ही गोली मारने की बात करो, ये सही नहीं है।भारत के विदेश मंत्रालय ने इस पर प्रतिक्रिया दी है कि बांग्लादेश में हाल की कुछ घटनाओं को लेकर कट्टरपंथी तत्वों के झूठे विमर्श को हम पूरी तरह से खारिज करते हैं। हसनत जैसे चरमपंथी और हिंसक विचारधारा वाले लोग और उनके समर्थक अब मोहम्मद यूनुस को समर्थन देने वाली एकमात्र वास्तविक शक्ति बन गए हैं। जिस देश में यूनुस के नेता सार्वजनिक रैलियों में खुलेआम यह कह सकते हैं कि वे एक पड़ोसी देश के उच्चायुक्त को बाहर निकाल देंगे, वहां यह स्पष्ट है कि आम लोग दिन–रात खुद को कितना असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ऐसे बांग्लादेश में आम नागरिक अब न तो अपने जीवन को लेकर सुरक्षित महसूस करते हैं और न ही अपनी संपत्ति को लेकर यह कठोर वास्तविकता देश में कानून–व्यवस्था और राजनीतिक संयम के पूरी तरह ढह जाने को उजागर करती है।

इधर भारत में शरणागत बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजीद जॉय ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए ईमेल इंटरव्यू में कहा है कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार एक इस्लामी शासन स्थापित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि बांग्लादेश में जो अभी स्थिति है, वह भारत के लिए खतरा बढ़ा रही है। अमेरिका में रहने वाले वाजीद ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से पाकिस्तान की बढ़ती कथित कध्रीबी को लेकर इंडियन एक्सप्रेस से कहा, यह भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। हमारी अवामी लीग सरकार ने भारत की पूर्वी सीमाओं को सभी आतंकवादी गतिविधियों से सुरक्षित रखा था। उससे पहले, बांग्लादेश का व्यापक रूप से भारत में विद्रोह फैलाने के लिए एक बेस के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। वाजीद ने यह भी कहा कि यूनुस सरकार ने देश में जमात–ए–इस्लामी और अन्य इस्लामी दलों को खुली छूट दे दी है। सभी प्रगतिशील और उदारवादी दलों पर प्रतिबंध लगाकर एक धांधलीपूर्ण चुनाव कराकर, यूनुस इस्लामी कट्टरपंथियों को सत्ता में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बेहद गंभीर चेतावनी है और महज बांग्लादेशी घुसपैठियों का नाम लेकर देश में चुनावी फायदा उठाने की कोशिश में लगी भाजपा को इन हालात की गंभीरता समझनी होगी। अगले साल बांग्लादेश में किस तरह चुनाव होते हैं और किसके हाथ में सत्ता आती है, यह तो अभी पता नहीं, लेकिन मौजूदा सरकार ने भारत को पूरी तरह किनारे लगा ही दिया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने भारत पर 1971 के मुक्ति संग्राम में बांग्लादेश के योगदान को लगातार कम करके आंकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के स्वतंत्रता सेनानियों के बिना यह जीत संभव नहीं थी। तौहीद ने कहा कि कोलकाता में इस दिन को अलग से श्ईस्टर्न कमांड डेश के रूप में मनाया जाता है, जो इस बात को दर्शाता है कि भारत इसे अपनी सशस्त्र सेनाओं की जीत के रूप में देखता है। यह सच है कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल की थी। लेकिन बांग्लादेश में मिली जीत के संदर्भ में खुद भारतीय विशेषज्ञ, जिनका मैंने अपनी किताब में उल्लेख किया है, यह स्वीकार करते हैं कि अगर स्थानीय प्रतिरोध से पाकिस्तानी सेना को कमजोर न किया गया होता तो भारत को जीत में कहीं अधिक समय लगता। पिछले साल दिसंबर महीने में ही बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सदस्य मिर्जा अब्बास ने कहा था, श्भारत ने बांग्लादेश नहीं बनाया। हमने बांग्लादेश मुक्त कराया। भारत ने तो पाकिस्तान को बांटा और ये अपने स्वार्थ में किया न कि हमारे स्वार्थ के लिए।बेशक बांग्लादेश ने अपनी मुक्ति के लिए खुद लड़ाई लड़ी और लाखों लोगों ने कुर्बानियां दीं, शेख हसीना का परिवार भी उन्हीं में से एक है। उनके पिता शेख मुजीबुर्ररहमान ने अपनी जान दे दी, लेकिन देश से भागे नहीं। आज उन्हीं मुजीबुर्ररहमान को जब बांग्लादेश में अपमानित किया जा रहा है, तो इंदिरा गांधी के योगदान को याद रखे, इसकी उम्मीद नहीं की जाना चाहिए। लेकिन कम से कम मोदी सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बांग्लादेश उसे आंखें न तरेरे।

सबसे छोटे शीतकालीन सत्र की कुछ रोचक झलकियां

जब आप ये पंक्तियां पढ़ रहे होंगे, भारत के संसदीय इतिहास का सबसे छोटा शीतकालीन सत्र अपने समापन की ओर अग्रसर हो रहा होगा। ऐसे में पेश हैं मेरी संसदीय डायरी से कुछ संक्षिप्त टिप्पणियां। सर्वदलीय बैठक हर सत्र से पहले सरकार द्वारा सर्वदलीय बैठक बुलाने की परम्परा है। इस बार 36 दलों के फ्लोर नेताओं ने इसमें हिस्सा लिया। भाजपा को छोड़ हर दल ने हस्तक्षेप करते हुए उन मुख्य मुद्दों की सूची रखी, जिन पर वे सत्र के दौरान चर्चा चाहते थे। बैठक में मौजूद पांच मंत्रियों ने सुबह 11 बजे सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया। दोपहर 1.30 बजे उन्होंने शालीनता से सभी का धन्यवाद किया और विदा ले ली। तो सरकार ने बैठक में क्या कहा? वही बहुचर्चित वाक्य– 'हम आपसे शीघ्र ही सम्पर्क करेंगे!' सभापति का अभिनंदन रू सत्र के पहले दिन नवनियुक्त राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन का सभी दलों के सांसदों ने स्वागत किया। उनमें से कुछ ने अपने औपचारिक भाषणों का उपयोग राजनीतिक संकेत देने के लिए भी किया। यह स्तम्भकार भी उनमें शामिल था। नए सभापति से आग्रह किया गया कि रू (1) सदन की बैठकों की संख्या बढ़ाई जाएय पहली लोकसभा 45 दिनों तक चली थी, आज हालत यह है कि सत्र महज 15 दिनों का रह गया हैय (2) राज्यसभा में चर्चा के लिए अधिक नोटिस स्वीकारे जाएंय 2009 से 2016 के बीच जहां 110 नोटिस स्वीकार हुए, वहीं 2017 से 2024 के बीच यह संख्या गिरकर 36 रह गईय (3) विधेयकों की गंभीर जांच होय 15वीं लोकसभा में दस में से सात विधेयक संसदीय समितियों के पास भेजे गए थे, जबकि 16वीं और 17वीं लोकसभा (2019–24) में यह अनुपात घटकर क्रमशः तीन और दो रह गया। इनोवेटिव विरोध रू सामान्य तौर पर सांसद मकर द्वार पर विरोध–प्रदर्शन करते हैं। लेकिन टीएमसी ने इस परम्परा में थोड़ा बदलाव किया। पूरे सप्ताह विरोध अलग–अलग स्थानों पर दर्ज कराया गया– गांधीजी की प्रतिमा के पास (जो अब मुख्य इमारत से काफी दूर कर दी गई है), विजय चौक के लॉन और पुराने संसद भवन की सीढ़ियों पर। हालांकि प्रधानमंत्री द्वारा बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को 'बंकिम–दा' कहे जाने के विरोध के लिए टीएमसी ने एक बिल्कुल अलग स्थान चुना। सांसदों ने सेंट्रल हॉल में दस मिनट मौन धरना दिया। उनके हाथों में राष्ट्रीय गीत के रचयिता बंकिम चंद्र और राष्ट्रगान के रचयिता रबीन्द्रनाथ ठाकुर की तस्वीरें थीं। संदेश स्पष्ट था और प्रतीकात्मकता प्रभावशाली! सदन में क्रिकेटर कीर्ति आजाद और यूसुफ पठान की सदन में उपस्थिति ठीक–ठाक रही है। लेकिन इस सत्र में 'आप' के राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह को संसद की पिच पर खेलते नहीं देखा गया। सवाल है कि क्या वे संसद में कम उपस्थिति के मामले में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं? ध्यानाकर्षण मंजूर नहीं ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संसद की एक अहम युक्ति है, जिसके जरिए विपक्ष का कोई सदस्य किसी विशेष मुद्दे पर मंत्री का ध्यान आकर्षित कर सकता है। इससे विपक्ष को किसी महत्वपूर्ण विषय पर संक्षिप्त बहस शुरू करने और सरकार को जवाबदेह ठहराने का अवसर मिलता है। लेकिन एक बार फिर, न लोकसभा और न ही राज्यसभा में एक भी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव स्वीकार किया गया। नड्डा से सबक संसदीय परम्परा के अनुसार जब कोई मंत्री बोल रहा हो और विपक्ष का कोई सदस्य बीच में हस्तक्षेप करना चाहे, तो मंत्री अपनी बात रोकता है और बैठ जाता है, ताकि सांसद अपनी बात रख सके। राज्यसभा में जेपी नड्डा को भाषण के दौरान दो बार विपक्षी सांसदों को हस्तक्षेप की अनुमति देते देखना सुखद रहा। यह अच्छी परम्परा है। गृह मंत्री अमित शाह चाहें तो इस मामले में नड्डा से सीख सकते हैं! छात्रों से भेंट सत्र के दौरान ही इस स्तम्भकार को संसद में तमिलनाडु और झारखंड से आए छात्रों के एक समूह से मिलने का अवसर मिला। उनके लिए टूर गाइड बनना अपने आप में बेहद सुखद अनुभव था। ऐतिहासिक सेंट्रल हॉल उनका सबसे पसंदीदा स्थान निकला। एक छात्रा इस अनुभव से इतनी भावुक हो गई कि उसकी आंखों में आंसू आ गए। अधिक से अधिक युवाओं को सेंट्रल हॉल आकर इस विशिष्ट स्थल का अनुभव लेना चाहिए, जिसे अब लगभग किसी म्यूजियम में बदल दिया गया है! पुनश्च इस साल अप्रैल में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा पर रात 1 बजे चर्चा हुई थी। बीती रात भी 'मर्डर ऑफ मनरेगा बिल' विषय पर रात 2 बजे तक चर्चा चली। रतजगों से इस लगाव की भी अपनी संगीन वजहें हैं! सदन की बैठकों की संख्या बढ़ाई जाएय पहली लोकसभा 45 दिनों तक चली थी, आज हालत यह है कि सत्र महज 15 दिनों का रह गया है। साथ ही राज्यसभा में चर्चा के लिए अधिक नोटिस स्वीकारे जाएं और विधेयकों की गंभीर जांच हो।

बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की मुहिम तेज हुई है

सना खान

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध को संयुक्त राष्ट्र सहित यूरोप के कई देशों ने समर्थन दिया है। भारत में भी दिल्ली हाईकोर्ट ने अगस्त 2013 में केएन गोविंदाचार्य मामले में आदेश पारित किया था कि नाबालिग बच्चे सोशल मीडिया जॉइन नहीं कर सकते।इस पर कभी अमल नहीं हुआ। इंटरनेट की दुनिया में परिपक्वता के बगैर बच्चों का निर्बाध प्रवेश, सामाजिक ताने–बाने के साथ देश की आर्थिक प्रगति को अवरुद्ध कर सकता है। इससे जुड़े 7 पहलुओं को समझना जरूरी है। ऑनलाइन खतरों से 13 साल से कम उम्र के बच्चों को बचाने के लिए अमेरिका में 1998 में कानून बना था। ऑनलाइन बुलीइंग और सेक्सटॉर्शन स्कैम में फंसे बच्चों की मौत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 2024 में कानून बनाया, जो अब लागू हुआ है। इसके अनुसार 16 साल से कम उम्र के बच्चे टिक–टॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत 10 प्लेटफॉर्म जॉइन नहीं कर सकते। कानून का उल्लंघन करने वाली कम्पनियों के खिलाफ 3 अरब रु. का जुर्माना लग सकता है।

देश में 18 साल से कम उम्र के नाबालिग बच्चे सिम कार्ड नहीं खरीद सकते और उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं मिल सकता। बच्चों को गुटखा, शराब आदि हानिकारक पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ पुलिस मुकदमा दर्ज कर लेती है। कॉन्ट्रेक्ट एक्ट और डेटा सुरक्षा कानून के अनुसार कम्पनियां बच्चों का डेटा हासिल नहीं कर सकतीं। ऑनलाइन दुनिया में एक तिहाई कारोबार बच्चों से होता है। नुकसान से बचने के लिए मेटा ने इस रिपोर्ट को दबा दिया, लेकिन वह लीक हो गई। उसके बाद स्कूल, अभिभावक और कई राज्यों ने

यौन–शोषण और पोर्नोग्राफी से बच्चों को बचाने के खिलाफ भारत में भी अनेक कानून हैं। मेटा का 19: से अधिक राजस्व ठगी और प्रतिबंधित कंटेंट के विज्ञापनों से आ रहा है। मेटा के प्रोजेक्ट मर्करी की रिपोर्ट के अनुसार सोशल मीडिया से बच्चों की मानसिक सेहत और शैक्षणिक क्षमताओं पर दुष्प्रभाव पड़ता है। टेक कम्पनियों का कैलिफोर्निया की अदालत में मुकदमा दायर किया। तब ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों में टेक कम्पनियों के चंगुल से बच्चों को छुड़ाने की मुहिम तेज हुई। ऑस्ट्रेलिया में कक्षा–10 के शैक्षणिक मापदंड में 72: बच्चों के असफल होने की रिपोर्ट के बाद सोशल मीडिया का मामला राष्ट्रीय चिंता का विषय बन गया। किशोर औसतन 5 घंटे रोज सोशल मीडिया पर बिता रहे हैं। स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन के अनुसार सोशल मीडिया, मीम और एआई चौटबॉट्स ने बच्चों की बोलने और लिखने की क्षमता को बुरी तरह से प्रभावित किया है। उनका मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक भागीदारी और कैरियर प्रभावित हो रहा है। प्रतिबंध के बावजूद बच्चे लॉग–आउट मोड में सोशल मीडिया देख सकते हैं। जेन–जी ने स्नैप–चौट, रेडिट, डिस्कार्ड जैसे सीक्रेट अड्डे तलाश लिए हैं और वे डिजिटल फुटप्रिंट्स को भी नियमित खत्म कर रहे हैं। कई स्मार्ट बच्चे परिवार, दोस्त और अंजान लोगों से सम्पर्क रखने के लिए तीन एकाउंट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। वीपीएन और डार्क वेब की दुनिया में बच्चों को रोकने के लिए कानून से ही काम नहीं चलेगा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा है कि नए कानून से ऑनलाइन सुरक्षा मिलने के साथ बच्चों का बचपन वापस आएगा। इस सांस्कृतिक बदलाव को सफल बनाने के लिए उन्होंने समाज के साथ राज्यों के नेताओं का भी धन्यवाद किया है। उन्होंने बच्चों से कहा है कि मोबाइल पर समय बिताने के बजाय वे संगीत सीखें, किताबें पढ़ें, दोस्तों के साथ खेलें और परिवारजनों के साथ अच्छा समय बिताएं। भारत में 18 से कम उम्र के 45 करोड़ बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग को रोकने के लिए वेरिफिकेशन की मांग हो रही है। इसके लिए सेल्फी, आईडी या बायोमैट्रिक इकट्ठा करने की इजाजत मिली तो डेटा के दुरुपयोग से बच्चों की डिजिटल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इस पर पाबंदी लगाने के लिए टेक कंपनियों से जुर्माना वसूलने वाला डेटा सुरक्षा कानून लागू करना होगा। जब तमाम दूसरी हानिकारक चीजों पर प्रतिबंध है तो सोशल मीडिया को भी उसी श्रेणी में क्यों न रखा जाए? संसद भवन में ई–सिगरेट पीने पर विवाद है। दिल्ली समेत दूसरे शहरों में प्रदूषण से रोकथाम के लिए अनेक प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। लेकिन देश के भविष्य बच्चों को ही डिजिटल प्रदूषण से बचाने वाले मानकों पर अमल नहीं हो रहा है।

एक सामाजिक और भावनात्मक दस्तावेज तेरे इश्क में

पंकज दुबे

फिल्म का मूल संघर्ष प्यार और ऑब्सेशन की वह महीन रेखा है, जिसे पार करते ही प्रेम विष में बदल जाता है।ज् इस फिल्म की कहानी में आधुनिक रिश्तों में इमोशन की एक दिलचस्प यात्रा है। तब प्यार किस तरह की कसौटी से गुजरता है जब दो प्यार करने वालों के रिश्ते में इमोशनल बैगेज, पास्ट ट्रॉमा, क्लास डिफरेंस और समाज की उम्मीदें मिल जाती हैं?आज के श्सिने–सोहबतत्र में ताजातरीन फिल्म श्तेरे इश्क मेंत्र के बारे में विमर्श करते हैं। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी ये फिल्म सिर्फ एक रोमांटिक ड्रामा नहीं, बल्कि एक प्रायोगिक प्रेम कहानी की कोशिश है जो प्यार, जुनून, क्लास डिवाइड, मनोविज्ञान और सामाजिक संरचनाओं के बीच जुझारू रिश्तों की परतों को उजागर करना चाहती है। श्तेरे इश्क मेंत्र सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक और भावनात्मक दस्तावेज भी है। फिल्म का मूल संघर्ष प्यार और ऑब्सेशन की वह महीन रेखा है, जिसे पार करते ही प्रेम विष में बदल जाता है।फिल्म का हीरो शंकर (मुख्य अभिनेता धनुष) सिर्फ एक प्रेमी नहीं, बल्कि एक ऐसा व्यक्ति है, जिसने अपने बचपन, अकेलापन और निजी असुरक्षाओं को प्यार के माध्यम से सुलझाने की कोशिश की। बाद में जब प्यार के साथ जुनून, पजेसिव्नेस और असुरक्षा जुड़ते हैं, तो वह टॉक्सिक हो जाता है।दूसरी ओर, महिला किरदार मुक्ति (कृति सेनन) जो कि एक एक पढ़ी लिखी, मनोविज्ञान की छात्रा है, शुरुआत में इस रिश्ते को महज एक प्रयोग के रूप में देखती है। उसके लिए यह प्रेम नहीं, शोध हैरू कॉन्सेप्ट ऑफ वायोलेंस एज डिजीज। धीरे धीरे, जब शंकर की भावनाएं प्रेम में बदल जाती हैं, तो मुक्ति की तार्किकता, समानुभूति और अकादमिक समझ उस जुनूनी प्यार के आगे लड़खड़ा जाती है।इस फिल्म की कहानी में आधुनिक रिश्तों में इमोशन की एक दिलचस्प यात्रा है। तब प्यार किस तरह की कसौटी से गुजरता है जब दो प्यार करने वालों के रिश्ते में इमोशनल बैगेज, पास्ट ट्रॉमा, क्लास डिफरेंस और समाज की उम्मीदें मिल जाती हैं?श्तेरे इश्क मेंत्र, इस संघर्ष को सिर्फ संवादों तक सीमित नहीं रखती। उसके नजरिए, कैमरा वर्क, एडिटिंग, लोकेशन सब मिलकर बताते हैं कि ऑब्सेसिव प्रेम केवल आतंरिक नहीं है, बल्कि वह सामाजिक संरचना, हमारे बड़े होने के तरीके, माहौल और बचपन के किसी जख्म का परिणाम भी हो सकता है।श्तेरे इश्क मेंत्र मनोवैज्ञानिक जटिलताओं और इमोशनल ट्रॉमा जैसी अवधारणाओं के संदर्भ में प्रेम कहानी के साथ एक जरूरी प्रयोग किया गया है।शुरुआत में, नायिका मुक्ति मनोविज्ञान के रिसर्च करती है। वह मानती है कि हिंसा एक बीमारी की तरह है जिससे उचित थेरेपी, काउंसलिंग, एम्पथी द्वारा निजात मिल सकती है। यह एक साहसिक कदम है क्योंकि हिंदी फिल्मों में अक्सर मनोवैज्ञानिक परतों को काफी सतही रखा जाता है, लेकिन हिमांशु शर्मा और नीरज यादव की इस पटकथा ने पहली बार उसे केंद्र में रखा है।

ये फिल्म हमें सवाल देती है कि क्या बॉलीवुड अभी ऐसी कहानियों को जिम्मेदारी से पेश करने को तैयार है, जो मनोवैज्ञानिक यथार्थवाद के साथ हों या फिर वह सतही मेलोड्रामा की ओर लौट जाती है? ये फिल्म सिर्फ दो व्यक्तियों के बीच का इश्क नहीं दिखाती, बल्कि यह उनकी सामाजिक, आर्थिक पृष्ठभूमि, क्लास डिवाइड और आइडेंटिटी क्राइसिस को भी रेखांकित करती है।शंकर और मुक्ति का प्रेम कॉलेज से शुरू होकर जिंदगी के कई जटिल पक्षों तक जाता है जिसमें प्यार को सिर्फ व्यक्तिगत अहसास ही नहीं, बल्कि सामाजिक संघर्ष की रीढ़ बनना पड़ता है। ऐसे सेट अप में, किरदारों का चयन, उनकी प्रतिक्रिया, उनके संघर्ष सिर्फ भावनात्मक नहीं, बल्कि सामजिक दबाव और पहचान के संकट से भी प्रभावित होती हैं। फिल्म ये दिखाने की कोशिश करती है कि प्यार के फैसले व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक होते हैं।संगीतकार एआर रहमान ने अपने संगीत के जरिए फिल्म को भावनात्मक लेयरिंग देने की कोशिश की है जो काफी प्रभावी हैं। इस फिल्म के सभी गानों के गीतकार हैं इरशाद कामिल।

श्तेरे इश्क मेंत्र सिनेमाई और सामाजिक दृष्टि से एक मिश्रित अनुभव है। यह एक साहसी फिल्म है जो प्रेम कहानी के बहाने समाज के मनोविज्ञान टटोलने की कोशिश तो करती ही है, साथ ही मनोरंजन से ऊपर उठ कर विवाद, विमर्श, इंट्रोस्पेक्शन की ओर भी बढ़ती है।

आज का राशिफल

मेष :– आज आप सांसारिक बातें भूलकर आध्यात्मिक प्रवृत्तियों में संलग्न रहेंगे। गहरी चिंतनशक्ति आपके मानसिक भार को हल्का करेगी। बोलने पर संयम रखने से अनर्थ से बच जाएंगे।

वृषभ :– आप जीवनसाथी की निकटता का सुख प्राप्त कर सकेंगे। परिवार के साथ सामाजिक समारोह में बाहर घूमने या पर्यटन पर जाएंगे और आनंद में समय व्यतीत होगा।

मिथुन :– अधूरे कार्यों की पूर्णता के लिए आज का दिन शुभ है। परिवार में आनंद और उल्लास रहेगा। स्वास्थ्य बना रहेगा। कार्यों में यश और कीर्ति मिलेगी। नौकरीपेशा वालों को लाभ होगा।

कर्क :– अच्छे मन से दिन व्यतीत करने की गणेशजी सलाह देते हैं, क्योंकि आज का दिन शारीरिक और मानसिक रूप से उद्वेगपूर्ण रहेगा। पेट दर्द परेशान करेगा। धन खर्च की संभावना है।

सिंह :– आज मानसिक अस्वस्थता रहेगी। परिजनों के साथ मनमुटाव की स्थिति आएगी। माताजी की तबीयत खराब हो सकती है। नकारात्मक विचारों से हताशा उत्पन्न होगी।

कन्यारू बिना विचारे साहस करने के प्रति गणेशजी चेतावनी देते हैं। भावनात्मक सम्बंध स्थापित होंगे। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों का डटकर सामना करेंगे।

तुला :– आज की मानसिक वृत्ति नकारात्मक रहेगी। क्रोध आवेश में वाणी पर संयम खोने से पारिवारिक सदस्यों के साथ विवाद होगा। अनावश्यक खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य खराब होगा।

वृश्चिक :– आज का दिन शुभ होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ खुशी से समय बीतेगा। धन लाभ का योग है।

धनु :– क्रोध के कारण पारिवारिक सदस्यों के साथ सम्बंध बिगड़ेंगे। आपकी वाणी और व्यवहार झगड़े का कारण बन सकते हैं। दुर्घटना से बचें। बीमारी के पीछे धन खर्च होगा।

मकर :– आज का दिन हर क्षेत्र में लाभदायक है। स्नेहीजनों और मित्रों से मिलना होगा। प्रिय व्यक्तियों के साथ मुलाकात रोमांचक रहेगी। व्यापार–धंधे में आय वृद्धि होगी।

कुंभ :– हर कार्य सरलतापूर्वक हल होंगे और उनमें सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थिति बनेगी। सरकारी कार्य निर्विघ्न पूरे होंगे। स्वास्थ्य बना रहेगा। धन प्राप्ति का योग है।

मीन :– आज के दिन की शुरुआत भय के साथ होगी। शरीर में सुस्ती और थकान रहेगी। कोई भी कार्य पूरा न होने पर हताशा होगी। भाग्य साथ न देता हुआ प्रतीत होगा। व्यर्थ में पैसे खर्च होंगे।

आप की खास जीत

कोमल

आम तौर पर आम आदमी पार्टी को शहरी जनाधार वाली पार्टी के रूप में देखा जाता रहा है। लेकिन हालिया ग्रामीण निकाय चुनावों में उसकी जीत ने राजनीतिक विश्लेषकों को खूब चौंकाया है। पंजाब के जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के परिणामों ने राजनीतिक वर्चस्व और उभरते मतभेदों की कहानी भी बयां की है। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी यानी आप ने ग्रामीण निकाय चुनावों में शानदार सफलता को दर्ज करते हुए राज्यभर में बड़ी संख्या में सीटें जीती हैं। जिसने इस बात की पुष्टि की है कि आम आदमी पार्टी पंजाब के शहरों में ही नहीं, ग्रामीण इलाकों में भी लोकप्रियता का आधार रखती है। वहीं दूसरे शब्दों में कहें तो ग्रामीण मतदाताओं में पंजाब की सत्ता में लंबे समय तक भागीदारी निभाने वाले राजनीतिक दलों से मोहभंग का सिलसिला लगातार बना हुआ है। हालांकि, आप की इस सफलता के साथ कुछ ऐसे पहलू भी जुड़े हैं, जिन पर पार्टी और उसके नेताओं को गहन विचार करने की जरूरत होगी। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में आम आदमी पार्टी का मजबूत प्रदर्शन उसके शासन के मॉडल के लिये निरंतर समर्थन का संकेत दे रहा है। यह एक ऐसा परिणाम है जो साल 2027 के राज्य विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में आप के पक्ष में सकारात्मक परिदृश्य बना सकता है। इसके विपरीत विरोधाभास यह भी है कि कई जगह ऐसे उल्लेखनीय उदाहरण सामने आए हैं, जहां आम आदमी पार्टी अपने नेताओं के गढ़ों में लड़खड़ा गई है। आप के कई प्रमुख नेता अपने ही गांवों में जीत हासिल करने में विफल रहे हैं। ऐसा क्यों हुआ, आप को इस पर मंथन करने की जरूरत है। वहीं शिरोमणि अकाली दल ने बठिंडा और मुक्तसर जैसे कुछ इलाकों में अपनी मजबूत पकड़ दर्शायी है। जो पार्टी के लिये हौसला बढ़ाने वाले संकेत कहे जा सकते हैं।

दरअसल, शिअद के प्रदर्शन को लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कहा जा रहा है कि पार्टी यदि इस बढ़त को आगे भी कायम रख पाती है तो उसके संगठनात्मक पुनरुद्धार के लिये दीर्घकालिक परिणाम सामने आ सकते हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस का चुनावी प्रदर्शन निराशाजनक ही कहा जाएगा। दरअसल, अब भी कांग्रेस अपनी खोई हुई जमीन को फिर से हासिल करने लिये संघर्ष करती प्रतीत हुई है। ये कांग्रेस के लिये चिंता की ही बात हो सकती है कि वह अपने पारंपरिक गढ़ों तक में अब भी कोई ठोस व दमदार चुनौती पेश करने में असफल ही रही है। वहीं दूसरी ओर कुछ क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पैठ बनानी आरंभ की है। हालांकि, उसकी यह बढ़त सिर्फ मामूली ही कही जाएगी। बहरहाल, कह सकते हैं कि चुनाव परिणामों से उपजी तसवीर पंजाब में बदलते राजनीतिक परिदृश्य की ओर ही इशारा करती नजर आती है। वैसे एक हकीकत यह भी है कि किसी भी चुनाव के परिणाम चुनावी परिदृश्य का आंशिक दृष्टिकोण ही परिभाषित करते हैं। मतदाता जमीनी स्तर पर आम आदमी पार्टी की नीतियों से काफी हद तक संतुष्ट ही दिखे हैं। इसके बावजूद स्थानीय निष्ठाएं और उम्मीदवार विशिष्ट कारक प्रमुखता से सामने आते हैं। इन स्थानीय ग्रामीण इकाइयों के चुनावों में आम आदमी पार्टी के नेताओं के गृह क्षेत्रों में मिली हार इस बात की भी याद दिलाती है कि किसी दल के लिये राजनीतिक पूंजी बेहद नाजुक ही होती है। यह भी कि ग्रामीण मतदाता स्थानीय नेतृत्व के प्रति उतने ही सजग और संवेदनशील होते हैं, जितना कि राज्य स्तरीय विचारों के प्रति। आगे चलकर, अगर आप को पंजाब में अपने जनादेश को बनाये रखना है और साथ ही उसका विस्तार करना चाहती है, तो उसे जमीनी स्तर पर नेतृत्व को मजबूत प्राथमिकता के आधार पर तैयार करना होगा। साथ ही उसे ग्रामीण मतदाताओं की विभिन्न चिंताओं का समाधान भी प्राथमिकता के आधार पर करना होगा। अब ये आने वाला समय बताएगा कि आप ने इन चुनाव परिणामों के निहितार्थों का किस सीमा तक चिंतन–मनन किया है। यदि पार्टी इन चुनाव परिणामों से सबक लेकर अपनी रीतियों–नीतियों में बदलाव लाती है।

श्रीकृष्ण जन्म की कथा सुन भावविभोर हुए श्रोता

चौखड़ा में मेंश्रीमद्भागवत कथा के दौरान मंगलगीतों से गूंजा पूरा पंडाल

डा.ठाकुर मिश्रा
बस्ती के लोग

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र ग्राम चौखड़ा में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में श्रीमद् भागवत वक्ता प्रेम शरण जी महाराज ने श्री कृष्ण भगवान के जन्म की कथा सुनाई।इस दौरान जीवंत झांकियों के साथ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया।पूरा पंडाल नंद के घर आनंद भयो व जय कन्हैया लाल की.. के उद्घोष से गूंज उठा।भगवान श्री कृष्ण के जन्म के समय सभी श्रोता झूमने और नाचने लगे।सुमधुर भजनों के साथ कथा श्रवण करने भक्तों की भीड़ उमड़ी रही।कथा वाचक ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण का जन्म अपने भक्तों की रक्षा कर धर्म की स्थापना के लिए हुआ था धरती पर जब कंस का पाप हुआ अत्याचार काफी बढ़ गया था तब सभी देवता ब्रह्मा जी व शिव के साथ क्षीर सागर में भगवान की स्तुति करने लगे। तब भगवान श्री हरि ने प्रसन्न होकर देवताओं को बताया कि मैं वासुदेव व देवकी के घर कृष्ण रूप में जन्म लूंगा और वृंदावन में मां यशोदा व नंदबाबा के घर बाल लीलाएं करूंगा।इसलिए आप सब भी उस समय धरती पर किसी ना किसी रूप में उपस्थित रहना।उन्होंने बताया कि जब भगवान ने पृथ्वी पर श्रीकृष्णा अवतार धारण किया तब सभी देवता और स्वयं ब्रह्मा व शिव जी भी भगवान की लीलाओं के साक्षी बने थे।उन्होंने बताया कि इस तरह जब भी पृथ्वी पर कहीं भी भगवान का जन्मोमोत्सव मनाया जाता है,तो ये सब देवी–देवता भी वहां अवश्य आते है और भगवान के जन्मोत्सव का आनंद लेते है।कथावाचक ने कहा कि जब भगवान ने कृष्ण जन्म लिया था।तब पृथ्वी पर ना जाने कितने जन्मों से जीव भगवान की प्रतीक्षा कर रहे थे।इसी तरह जब भगवान का जन्मोत्सव मनाया जाता है और उस जन्मोत्सव में जो भाग लेते है, वे कोई साधारण जीव नहीं होते वे बहुत पुण्यात्मा होते है।उनके के साथ आचार्य रितेश जी,आचार्य केशव राम,संगीत बन्धु,कृष्ण कान्त निराला,युवराज मिश्रा ने अपने भजनों के माध्यम से रस बरषा दिया इस अवसर पर मुख्य यजमान श्रीमती कंचना सिंह,अनिल कुमार सिंह,गोपाल जी सिंह,हरि सिंह,अरुण कुमार सिंह,मनोज कुमार सिंह,संजीव सिंह,राजन दुबे,विनोद मिश्रौलिया,गोकर्ण पांडे,पप्पू दुबे,रविंद्र सिंह,मंटू सिंह,बबलू सिंह,भारद्वाज त्रिपाठी,इंद्रप्रकाश सिंह,खन्नू सिंह,बंसी सिंह,सुनील सिंह,विकास,कुंवर सिंह वैभव सिंह,जनता गुप्ता,सोनू,कन्हैया,शिव मुकुंद सिंह,अमरेश सिंह सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

परिषदीय विद्यालयों के सभी छात्रों की बनेगी अपार आईडी

शैक्षिक रिकॉर्ड होगा एक क्लिक पर उपलब्ध–बीईओ

वन नेशन वन स्टूडेंट आईडी पर हो रहा है कार्य

अभिभावकों की सहमति से होगा कार्य

मोहम्मद आफताब
बस्ती के लोग

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर।कक्षा एक से 12 तक के सभी विद्यार्थियों की शैक्षिक गतिविधि अब अपार आईडी के माध्यम से पता चल सकेगा।बेसिक शिक्षा विभाग ने अभिभावकों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से इस संबंध में सहयोग की अपेक्षा की गयी है।क्योंकि यह कार्य अब अभिभावकों के सहमति के बाद ही किया जा सकता है।इस संबंध में सोमवार को जानकारी देते हुए खंड शिक्षा अधिकारी डुमरियागंज अशोक कुमार सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि वन नेशन वन स्टूडेंट आईडी की परिकल्पना को साकार करते हुए कक्षा 12 तक के समस्त विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों की 12 अंकों की यूनिक अपार आईडी तैयार की जा रही है।इसके माध्यम से छात्र–छात्राओं का शैक्षिक इतिहास, योग्यता,ग्रेड,प्रमाणपत्र व विभिन्न संस्थाओं में अर्जित उपलब्धियां डिजिटल रूप से सुरक्षित रहेंगी।बीईओ के अनुसार अपार आईडी बच्चों के शैक्षिक व करियर विकास में उपयोगी होगी।इससे विद्यालय परिवर्तन,उच्च शिक्षा में प्रवेश तथा सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में भी सुविधा मिलेगी। साथ ही छात्रों को ड्रॉपआउट की श्रेणी में जाने का डर नहीं रहेगा और मुख्यधारा से जुड़ना आसान होगा।उन्होंने आगे बताया कि अपार आईडी निर्माण के लिए माता–पिता अथवा वैध अभिभावक की सहमति अनिवार्य है।इसके लिए प्रत्येक विद्यालय में विशेष पीटीएम आयोजित कर अभिभावकों को योजना की आवश्यकता और उपयोगिता की जानकारी दी जाएगी।यूनिफाइड डेटा के तहत यू–डायस प्लस पोर्टल पर दर्ज छात्र विवरण के आधार पर अपार आईडी बनाई जाएगी।विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे शत–प्रतिशत छात्रों का डेटा पोर्टल पर अंकित करें,ताकि कोई भी बच्चा अपार आईडी से वंचित न रहेशिक्षकों के लिए 31 दिसंबर अंतिम तिथि

उन्होंने यह भी बताया कि परिषदीय शिक्षकों व कर्मचारियों की मानव संपदा पोर्टल पर उपलब्ध ई–सेवा पुस्तिका में ई–केवाईसी अथवा संशोधन का कार्य 31 दिसंबर 2025 तक अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए।यू–डायस से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए विकासखंड स्तर पर खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।अंत में उन्होंने यह भी बताया कि अपार आईडी बनाने का कार्य शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है।इस कार्य में तेजी लाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित शिक्षकों को दिए गए हैं शीघ्र ही सभी छात्रों का अपार आईडी बनाने का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

भागवत कथा के चौथे दिन श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

कृष्ण जन्म की कथा सुनकर झूम उठा पांडाल,गूंजे जयकारे

राजीव कुमार
बस्ती के लोग

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर।नगर पंचायत क्षेत्र के गांधीनगर वार्ड में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन रविवार की रात्रि श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।कथावाचक स्वामी आलोकानंद शास्त्री ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की पावन कथा का भावपूर्ण वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।स्वामी आलोकानंद शास्त्री ने कथा के दौरान कहा कि जब–जब धरती पर आसुरी शक्तियां बढ़ीं और धर्म की हानि हुई, तब–तब परमात्मा ने अवतार लेकर धर्म की रक्षा की।मथुरा में राजा कंस के अत्याचारों से त्रस्त धरती की करुण पुकार पर भगवान नारायण ने देवकी के अष्टम पुत्र के रूप में श्रीकृष्ण का अवतार लिया और अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना की। उन्होंने कहा कि जीवन में भागवत कथा सुनने का सौभाग्य अत्यंत दुर्लभ होता है।जब भी यह अवसर प्राप्त हो,उसका सदुपयोग करना चाहिए।कथा श्रवण तभी सार्थक होता है जब उसके उपदेशों को जीवन में उतारकर परमार्थ के मार्ग पर चला जाए।कथावाचक ने संक्षेप में रामकथा का भी वर्णन करते हुए बताया कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने धरती को राक्षसों के आतंक से मुक्त कराने के लिए अवतार धारण किया।जैसे ही कथा में श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग आया,पूरा पांडाल भक्तिरस में डूब गया और श्रद्धालुओं ने जय–जयकार करते हुए जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाया।इस अवसर पर सुनील अग्रहरि,रघुवीर,दिलीप अग्रहरि,अंशू,विकास,राजेश,आकाश सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ब्लॉक संसाधन केंद्र पर विज्ञान परीक्षा का किया गया आयोजन

अमित श्रीवास्तव
बस्ती के लोग

बांसी सिद्धार्थनगर।ब्लॉक संसाधन केंद्र मिठवल पर राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत विज्ञान की परीक्षा का आयोजन किया गया।इस परीक्षा में पूर्व माध्यमिक विद्यालय बाजारडीह के छात्र अशरफ अली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि हरिओम,कंपोजिट विद्यालय पतेडवा एवं प्रिया,कंपोजिट विद्यालय जीवा ने क्रमशःद्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।आयोजन का प्रारंभ खण्ड शिक्षा अधिकारी धर्मेंद्र कुमार पाल ने मां सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।खंड शिक्षा अधिकारी ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले परीक्षार्थियों को बधाई दी एवं शीर्ष पांच स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत करने के साथ साथ अन्य सभी नब्बे प्रतिभागियों को भी स्टेशनरी तथा विज्ञान की प्रयोगात्मक किट देकर उत्साहवर्धन किया तथा सभी विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम के आयोजन में ए.आर.पी.शिवम् पाठक,आदर्श मिश्र, जितेंद्र त्रिपाठी,तारिक मुस्तफा एवं क्वालिटी कोर्डिनेटर शैलेश श्रीवास्तव सहित अब्दुल्लाह एवं शिक्षक नीलू,शर्मा,अभिलाष,मनीष,अनुराग कुलश्रेष्ठ,आदित्य यादव,संदीप अवस्थी आदि की महत्वपूर्ण भूमिका प्रमुख रही।

जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव का किया गया आयोजन

विक्रान्त श्रीवास्तव
बस्ती के लोग

सिद्धार्थनगर।सांसद खेल महोत्सव 2025 का आयोजन जनपद स्तर पर जिला स्पोर्टस स्टेडियम में मुख्य अतिथि आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती अखिलेश सिंह,विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन,पुलिस अधीक्षक डॉ.अभिषेक महाजन एवं सांसद जगदम्बिका पाल,सांसद प्रतिनिधि एस0पी0अग्रवाल,अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर गोविन्द माधव की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।मुख्य अतिथि आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती अखिलेश सिंह,विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन,पुलिस अधीक्षक डॉ.अभिषेक महाजन एवं सांसद जगदम्बिका पाल,सांसद प्रतिनिधि एस0पी0अग्रवाल,अध्यक्ष नगर पालिका परिषद गोविन्द माधव को एनसीसी व स्काउट गाइड के बच्चों द्वारा बैण्ड बाजे के साथ स्वागत करते हुये कार्यक्रम स्थल पर लाया गया।आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती अखिलेश सिंह,सांसद जगदम्बिका पाल,जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन,पुलिस अधीक्षक डॉ.अभिषेक महाजन एवं सांसद प्रतिनिधि एस0पी0अग्रवाल द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय उसका बाजार की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं शिव तांडव स्तुति की प्रस्तुति की गयी।केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति की गयी।इसके पश्चात सांसद द्वारा मुख्य अतिथि आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती,सांसद प्रतिनिधि द्वारा जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को बुके देकर स्वागत किया गया।डॉ.अरूण प्रजापति द्वारा अन्य जनप्रतिनिधिगणों एवं अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर,माल्यार्पण एवं बैज लगाकर स्वागत किया गया।पूर्व माध्यमिक विद्यालय बर्डपुर के बच्चों द्वारा योग का प्रस्तुतिकरण किया गया।मुख्य अतिथि आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती द्वारा ध्वजारोहण कर सांसद खेल महोत्सव के विधिवत शुभारम्भ की घोषणा किया गया तथा गुब्बारा उड़ाया गया।इसके पश्चात मार्च पास्ट की सलामी ली गयी।आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती द्वारा मशाल को प्रज्ज्वलित किया गया।राज्य स्तरीय खो खो चौम्पियन खिलाड़ी द्वारा मशाल लेकर ग्राउण्ड की परिक्रमा किया गया।व्यायाम शिक्षिका सीमा मिश्रा द्वारा क्रीड़ा का शपथ दिलाया गया।मुख्य अतिथि आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती अखिलेश सिंह ने सांसद खेल महोत्सव में जनप्रतिनिधियों,आयोजन समिति के सदस्यों एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई दिया।उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव खेल कूद की प्रतिभाओं को मंत्र प्रदान करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। कड़ाके की ठंड में भी खिलाड़ियों का उत्साह काफी अधिक है सांसद भी खेल से जुड़े हुये हैं उन्होंने भी कई खेलों को खेला है। पहले खेल कूद के लिए कम अवसर मिलता था खेल मैदान व संसाधनों की कमी रहती थी।खेल को बढ़ावा देने के लिए आज ग्रामीण क्षेत्रों में खेल मैदान बनाया जा रहा है और खेल सामग्री उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा निखार सके।प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जी का लक्ष्य है कि 2027 तक हमारा देश विकसित राष्ट्र के रूप में हो।इसके लिए खेलो इंडिया व खेल को बढ़ावा दिया जा रहा है जिससे खिलाड़ी जनपद स्तर से राज्यस्तरीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों में प्रतिभाग कर देश का नाम रोशन करें।उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुये कहा कि सफलता के लिए उत्साह सम्पन्न,शीघ्र कार्य करने की, कार्य करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी,विभिन्न प्रकार के व्यसनो व दुर्गुणों से दूर रहने,धैर्य और पक्की मित्रता होनी चाहिए।तभी सभी क्षेत्रों में सफलता हासिल होगी।सरकार व प्रशासन द्वारा खेल में पूरा सहयोग प्रदान किया जायेगा।सांसद जी द्वारा सांसद खेल महोत्सव से 10 लाख का फंड विभिन्न खेलों के लिए बनाया जा रहा है जिसमें जनपद स्तर व मंडल स्तर के खेलों के लिए सहयोग उपलब्ध कराया जायेगा।मुख्य अतिथि द्वारा आयोजक मंडल को बधाई दिया गया।सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव का आयोजन चार दिवसीय किया गया है।सांसद खेल महोत्सव 05 वर्षो से आयोजित किया जा रहा है।ब्लाक स्तर,तहसील स्तर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसके विजेता खिलाड़ी सांसद खेल महोत्सव में प्रतिभाग कर रहे हैं।कड़ाके की ठंड में जनपद के खिलाड़ियों में जो उत्साह है उसके लिए बधाई दिया गया।प्रधानमंत्री जी की आकांक्षा है कि जैसे बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा,विश्वविद्यालय में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है वैसे ही प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जाये।सभी संसदीय क्षेत्रों में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया है।जिससे ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को भी मंच मिल सके तथा उनकी प्रतिभओं का उत्साहवर्धन हो।योग करेंगें तथा खेल खेलेंगे तो शरीर स्वास्थ रहेगा।जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि जनपद में ब्लाक स्तर एवं तहसील स्तर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।खेल का जीवन में बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है। खेल से मानसिक व शारिरिक स्वास्थ्य ठीक रहता है।प्रतिदिन 02 घंटे खेल को अपने जीवन में शामिल करना चाहिए।आज जनपद स्तर पर आयोजित खेल महोत्सव में खिलाड़ियों द्वारा बढचढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं।सभी खिलाड़ी अपने प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर अपने जनपद व प्रदेश का नाम रोशन करें।पुलिस अधीक्षक डॉ.अभिषेक महाजन एवं अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर गोविन्द माधव द्वारा खिलाड़ियों को अपने विचार के माध्यम से खेल के प्रति प्रोत्साहित किया गया।मुख्य अतिथि आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती अखिलेश सिंह, विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन,पुलिस अधीक्षक डॉ.अभिषेक महाजन एवं सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल द्वारा बेहतर कार्यक्रम की प्रस्तुति करने वाले बच्चों को नगद पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इसके पश्चात खो–खो बालिका वर्ग एवं ताइक्वांडों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता शुरू कराया गया।सांसद प्रतिनिधि द्वारा सभी अतिथियों,खिलाड़ियों व आयोजन समिति के सदस्यों का आभार प्रकट किया गया।इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.रजत कुमार चौरसिया,जिला विद्यालय निरीक्षक अरूण कुमार,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार,जिला युवा कल्याण अधिकारी विनय कुमार राव,भाजपा पार्टी के पदाधिकारी व्यायाम शिक्षक,कोच आदि उपस्थित थे।

ठंड में भटकती मां-बच्चे को मिला प्रशासन का सहारा,एडीएम ने निभाई मानवीय जिम्मेदारी

रजनीश त्रिपाठी
बस्ती के लोग

बस्ती।कड़ाके की ठंड और शीतलहर के बीच प्रशासन की मानवीय संवेदनशीलता उस समय देखने को मिली,जब बस स्टेशन पर भटक रही एक महिला यात्री और उसके छोटे बच्चे को अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान ने सुरक्षित आश्रय दिलाया।खलीलाबाद जाने के लिए बस न मिलने के कारण महिला अपने बच्चे के साथ देर रात बस स्टेशन पर परेशान हालत में बैठी थी।निरीक्षण के दौरान एडीएम की नजर महिला और बच्चे पर पड़ी तो उन्होंने तुरंत हालात की जानकारी ली।ठंड से कांप रहे बच्चे और असहाय मां की स्थिति देखकर एडीएम ने बिना देरी किए उन्हें ई–रिक्शा से पचपेडिया स्थित रैन बसेरे में भिजवाने की व्यवस्था कराई।इसके साथ ही उन्होंने रैन बसेरे के केयरटेकर से फोन पर बात कर महिला और बच्चे के लिए भोजन,कंबल और ठहरने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई।महिला ने प्रशासन की इस मदद पर राहत की सांस ली और एडीएम का आभार जताया।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की पहल से जरूरतमंदों को न सिर्फ सहारा मिलता है, बल्कि प्रशासन के प्रति विश्वास भी मजबूत होता है।एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान ने कहा कि ठंड के मौसम में किसी भी जरूरतमंद को असहाय नहीं छोड़ा जाएगा और रैन बसेरों में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

हिंदू सम्मेलन की तैयारी अंतिम दौर में,डुमरियागंज स्थित राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के परिसर में होगा कार्यक्रम

23 दिसंबर को हिंदू सम्मेलन को संबोधित करेंगे क्षेत्र प्रचारक अनिल जी

मोहम्मद आफताब
बस्ती के लोग

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर।संघ शताब्दी वर्ष के अंतर्गत तृतीय चरण में आयोजित होने वाले विशाल हिंदू सम्मेलन की तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं।डुमरियागंज नगर के अग्रसेन नगर स्थित राजकीय कन्या इंटर कॉलेज परिसर में 23 दिसंबर (मंगलवार) को दिन में 1 बजे कार्यक्रम आयोजित होगा।हिंदू सम्मेलन समिति बांसी के जिला अध्यक्ष अमरनाथ सिंह ने विधि–विधान से भूमि पूजन किया था। इस दौरान बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग उपस्थित भी रहे।

अमरनाथ सिंह ने बताया कि समस्त हिंदू समुदाय को एक मंच पर लाना और संगठित करना ही इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है। संघ शताब्दी वर्ष में यह तृतीय चरण का कार्यक्रम 14 दिसंबर से 11 जनवरी तक चलेगा।कार्यक्रम की सफलता को लेकर सोमवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण अभी किया गया जिसमें अमरनाथ सिंह उर्फ सोनू सिंह,सचिदानंद पांडे,राजू पाल व स्थानीय थाना प्रभारी आदि लोग मौजूद रहे।वही आयोजकों ने सभी हिंदू बंधुओं से 23 दिसंबर को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सम्मेलन को सफल बनाने की अपील की है।

गायत्री शक्तिपीठ पर सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

सैकड़ो गरीबो में वितरण किया गया कम्बल

राकेश गिरी
बस्ती के लोग

बस्ती।गायत्री शक्तिपीठ के प्रांगण में आज दिन में 3 बजे सम्मान समारोह एवं कंबल वितरण का कार्यक्रम रखा गया द्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजीव त्यागी डीआईजी पुलिस बस्ती मंडल ने कहा की शक्तिपीठ पर आकर हमने आपके द्वारा आयोजित कार्यक्रम से बहुत सीखा है,विशिष्ट प्रतिभाओं का सानिध्य मिलने से बड़ी प्रसन्नता हुई।वीरेंद्र नाथ पांडेय एडवोकेट ने कहा की शक्तिपीठ से हमने संस्कारो की परंपरा को पुनर्जीवित करने का सन्देश पाया और अपने परिवार एवं शुभेच्छुओं को प्रेरित करता रहता हूं।संस्थापक ट्रस्टी राम चंद्र शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ परिव्राजक व ट्रस्टी राम प्रसाद त्रिपाठी ने किया।गरीबो में सैकड़ो कंबल का वितरण एवं 40 पत्रकारों को सम्मानित किया गया कार्यक्रम में रक्तदान करने वाले 20 परिजनों को भी सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मुख्या रूप से जगदंबिका पाण्डेय,सर्वेश श्रीवास्तव,के.के.पांडेय,श्याम पांडेय,स्वामी दयाल,विशाल,संतोष,महेश्वरानंद,अमित,रमेश,श्रवण कुमार,राजाराम, राजकुमार,शिवम्,यशपाल सहित समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर पद पर चयनित होने पर अनिकेत राज सिंह को किया गया सम्मानित

रजनीश त्रिपाठी
बस्ती के लोग

बस्ती।एयर फोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट (।थ्ब्।ज) के माध्यम से भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर पद पर चयनित होकर ऑल इंडिया रैंक 32 प्राप्त करने वाले अनिकेत राज सिंह को आज बस्ती ब्ट कीर्ति प्रकाश भारती सर द्वारा उनके आवास पर सम्मानित किया गया।यह क्षण अनिकेत एवं उनके पूरे परिवार के लिए गर्व और प्रेरणा से भरा रहा।मात्र 22 वर्ष की आयु में यह उपलब्धि हासिल करने वाले अनिकेत राज सिंह मूल रूप से ग्राम किशुनपुर,जिला आजमगढ़ के निवासी हैं,जबकि वर्तमान में उनका परिवार बस्ती जनपद में निवास करता है।अनिकेत ने अपनी स्नातक की शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पूर्ण की और पहले ही प्रयास में ।थ्ब्।ज परीक्षा में शानदार सफलता अर्जित कर देशभर में 32वीं रैंक प्राप्त की।अनिकेत का बचपन से ही भारतीय वायुसेना में जाने का सपना था,जिसे उन्होंने अपनी मेहनत,अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर साकार कर दिखाया।उनके इस चयन से परिवार,क्षेत्र और जिले में खुशी की लहर है,ब्ट सर ने अनिकेत को अपने आवास पर विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया,उन्हें आगे के जीवन के लिए प्रेरणादायक शब्द कहे और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।इस अवसर पर ब्ट सर की धर्मपत्नी भी उपस्थित रहीं,जिन्होंने अनिकेत को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया और उनका उत्साहवर्धन किया,ब्ट सर की यह पहल युवाओं को प्रोत्साहित करने का एक सराहनीय उदाहरण है।अनिकेत की माता नीलम सिंह,बहन हर्षिता सिंह एवं पूरा परिवार इस सफलता से अत्यंत प्रसन्न है।परिवार ने बताया कि यदि आज अनिकेत के पिता स्वर्गीय राजेश कुमार सिंह जीवित होते, तो उन्हें अपने पुत्र की इस उपलब्धि पर अत्यंत गर्व और खुशी होती।यह सफलता न केवल अनिकेत के परिवार के लिए,बल्कि क्षेत्र के युवाओं के लिए भी एक मजबूत संदेश है कि सच्ची लगन,मेहनत और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

विधायक विनय वर्मा ने एक नेपाली नागरिक व भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों से बताया जान को खतरा

प्रधानमंत्री,गृहमंत्री व मुख्यमंत्री को शिकायती प्रार्थना पत्र भेजकर लगाया जान माल के सुरक्षा की गुहार

विक्रान्त श्रीवास्तव
बस्ती के लोग

सिद्धार्थनगर।केंद्र व प्रदेश सरकार में प्रमुख सहयोगी अपना दल एस शोहरतगढ़ के विधायक विनय वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,गृहमंत्री अमित शाह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर एक नेपाली नागरिक व भ्रष्टाचार में संलिप्त कुछ अधिकारियों से जान का खतरा बताते हुए अपने व अपने परिवार के जान माल के सुरक्षा की गुहार लगाई है।प्रधानमंत्री,गृहमंत्री व मुख्यमंत्री को भेजे गए शिकायती प्रार्थना पत्र में शोहरतगढ़ के विधायक विनय वर्मा ने यह आरोप लगाया है कि पिछले दिनों वे अपने विधानसभा शोहरतगढ़ क्षेत्र के बढ़नी में स्थित गांधी आदर्श इंटर कालेज में आयोजित भाजपा के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया था,जहां पर उस विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र व छात्राओं व उनके अभिभावकों ने मुझे घेरकर विद्यालय प्रबंधन द्वारा अधिक फीस लेने व छात्रों का आर्थिक शोषण करने का आरोप लगाया था।मामले को गंभीरता से लेते हुए विधायक ने मामले को तत्कालीन जिलाधिकारी राजा गणपति आर से अवगत कराते हुए छात्रों व उनके अभिभावकों द्वारा अधिक फीस लेने के शिकायत की जांच कराने की मांग किया।विधायक विनय वर्मा की शिकायत पर जिलाधिकारी ने मामले की जांच के लिए दो सदस्यीय टीम गठित कर दिया गया।विधायक ने कहा कि जब जांच टीम द्वारा मामले की जांच की गई तो अधिक फीस वसूली करने का मामला सत्य पाया गया।जिसके आधार पर जांच टीम ने गांधी आदर्श इंटर कालेज बढ़नी के प्रधानाचार्य को पदीय कार्यों से मुक्त करने की संस्तुति कर दिया।विधायक विनय वर्मा ने पीएम,गृहमंत्री व सीएम को भेजे गए शिकायती प्रार्थना पत्र में यह आरोप लगाया है कि जिला प्रशासन के इस कार्यवाही की संस्तुति से उक्त विद्यालय के प्रबंधन द्वारा मेरे विधायक निधि की जांच कराने के लिए कमिश्नर बस्ती को प्रार्थना पत्र दिया जाता है और जांच के आदेश भी कर दिए गए।विधायक का आरोप है मै लगातार जिले के सिंचाई विभाग,पीडब्ल्यू डी विभाग सहित अन्य विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार के मामलों कि शिकायत करता चला आ रहा हूं लेकिन मेरे द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध किए गए शिकायत पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई,उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उक्त नेपाली नागरिक जो अपने प्रभाव से मेरे विधायक निधि का जांच करवा सकता है,तो भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों के साठ गांठ से मेरा व मेरे परिवार को हत्या भी करा सकता है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सोमवार को सम्पन्न

ब्लॉक संसाधन केंद्र डुमरियागंज के प्रशिक्षण हाल में सम्पन्न हुआ प्रशिक्षण

मोहम्मद आफताब
बस्ती के लोग

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर।ब्लॉक संसाधन केंद्र डुमरियागंज के प्रशिक्षण हाल में सोमवार को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न हो गया।अंतिम दिन टीवी स्क्रीन के माध्यम से दिव्यांग बच्चों की पहचान और उन्हें तमाम विभागीय योजनाओं से लाभ के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई।स्पेशल एजुकेटर डुमरियागंज के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण का उद्देश्य बाल विकास विभाग व शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास से दिव्यांग बच्चों को योजनाओं का लाभ दिलाना है।प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रशिक्षक गणेश गौड़ ने बताया कि दिव्यांग बच्चों को शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ना तथा उन्हें सरकारी सुविधाएं भी उपलब्ध कराना सरकार का प्रमुख उद्देश्य है।इस उद्देश्य को तभी सफल बनाया जा सकता है जब बाल विकास विभाग के कर्मचारी भी अपनी भूमिका निभाएं।आंगनबाड़ी कार्यकत्री ही प्रथम सीढ़ी होती है।परिषदीय विद्यालय में जब बच्चे आते हैं इस बीच तमाम दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें जानकारी देना आवश्यक है।प्रशिक्षण में उन्हीने बताया कि दिव्यांग बच्चों की पहचान कर आंगनबाड़ी केंद्रों को भी अधिक समावेशी बनाया जा सकता है।प्रशिक्षण में बताया गया कि दिव्यांग बच्चों की पहचान के तमाम चरण हैं जिसकी जानकारी करने के बाद ही बच्चों की पहचान की जा सकती है।उपचारात्मक सहायता के लिए सभी को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।प्रशिक्षण के अंतिम दिन कुछ गतिविधि के माध्यम से भी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को जानकारी दी गई।इस मौके पर प्रेम प्रकाश चौबे,अमित मिश्रा,विशेष शिक्षक अंशिका श्रीवास्तव,रामकुमार चौधरी,शिवम् शुक्ला,अंजनी सिंह,कार्यकत्री में आरती सिंह, अंजू कुमारी,फरजाना खातून,मधु,रीता देवी,प्रियंका,शीला देवी,मरियम फातिमा आदि मौजूद रहे।

डुमरियागंज में होगा आज विशाल हिन्दू सम्मेलन

कार्यक्रम से पहले पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने किया स्थल का निरीक्षण,समस्त हिन्दू जनमानस से की सहभागिता की अपील

राजीव कुमार
बस्ती के लोग

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज राजकीय कन्या इंटर कालेज के मैदान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में मंगलवार को आयोजित होने वाले विशाल हिन्दू सम्मेलन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं।सम्मेलन के पूर्व सोमवार को पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंच, बैठने की व्यवस्था,स्वच्छता,यातायात एवं सुरक्षा संबंधी तैयारियों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं भव्य रूप देने के लिए सभी व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने पर जोर दिया। पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने समस्त हिन्दू जनमानस से अपील करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में एकता,संस्कार और सांस्कृतिक चेतना का विस्तार होता है।इस दौरान मधुसुदन अग्रहरि,लवकुश ओझा,चंद्र प्रकाश वर्मा,अमरेंद्र त्रिपाठी,राजन अग्रहरि,शैलेश सिंह,गुड्डू तिवारी आदि मौजूद रहे।

पत्रकार हितों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष किया जायेगा-महेंद्र नाथ सिंह

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश कार्य समिति की बैठक सम्पन्न

विक्रान्त श्रीवास्तव
बस्ती के लोग

मीरजापुर।ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तरप्रदेश की प्रदेश कार्य समिति की बैठक विंध्याचल स्थित गोयनका धर्मशाला में आयोजित की गई।बैठक में प्रदेश के सभी 18 मंडलों के मंडल अध्यक्षों और 75 जिलों के जिलाध्यक्षों सहित संगठन के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह व संचालन प्रदेश महामंत्री डा.संजय द्विवेदी व हौसला प्रसाद त्रिपाठी ने किया।प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह ने कहा कि पत्रकार हितों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष किया जायेगा। मार्च माह के अंतिम सप्ताह में पूरे प्रदेश के पत्रकारों को साथ लेकर लखनऊ में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।तहसील स्तरीय पत्रकारों को मान्यता देने व आयुष्मान कार्ड की सुविधा प्रदान करने के लिए हर संभव संघर्ष किया जाएगा।चरणबद्ध ढंग से सात सूत्रीय ज्ञापन प्रदेश के 80 सांसदों,403 विधायकों,18 मंडलायुक्तों व 75 जिलाधिकारियों को प्रेषित किया गया।महामंत्री डा. संजय द्विवेदी ने प्रदेश के 18 मंडल अध्यक्षों से संवाद करके उनके जिलों के निर्वाचन प्रक्रिया की समीक्षा की।समीक्षा के माध्यम से बरेली व मुरादाबाद मण्डल को सशक्त करने की जिम्मेदारी प्रांतीय पदाधिकारियों को सौपी गई।बैठक में निर्णय लिया गया कि मंडल अध्यक्षों के माध्यम से ही जिलों की समीक्षा की जाएगी। तहसीलों के गठन करने की जिम्मेदारी जिला अध्यक्ष की होगी।जिला अध्यक्ष अपने जनपद से संबंधित सूचना मंडल अध्यक्ष को प्रेषित करेंगे और मंडल अध्यक्ष सूचना का परीक्षण करके प्रदेश को प्रेषित करेंगे।प्रदेश संरक्षक डॉ.के.एन. राय ने सुझाव दिया कि मुख्यमंत्री से वार्ता के लिए एक प्रतिनिधिमंडल गठित किया जाए।साथ ही,संगठन के कानूनी मामलों में राय देने के लिए एक प्रदेश विधिक टीम का गठन किया जाएगा।अतिथियों का स्वागत विंध्याचल मंडल अध्यक्ष रूपेश पाण्डेय और जिलाध्यक्ष अजय ओझा ने किया।बैठक को प्रदेश उपाध्यक्ष रामनरेश सिंह चौहान,प्रदेश महामंत्री संगठन डॉ.नरेश पाल सिंह,प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह,नागेश्वर सिंह, के.जी.गुप्ता,गोविन्द राव,बलराम त्रिपाठी,प्रदेश कोषाध्यक्ष छोटेलाल चौधरी,प्रदेश मीडिया प्रभारी राजेश अग्रहरि ने भी सम्बोधित किया।बैठक में झांसी से शिवकरण सिंह भदोरिया,सहारनपुर ओमवीर सिंह,मुरादाबाद अरुण गोस्वामी,अलीगढ़ राम नारायण सिंह,कानपुर सौरभ सिंह भदोरिया,लखनऊ अखिलेश सिंह,मेरठ संजय गोयल,बस्ती बलराम त्रिपाठी,विंध्याचल रूपेश पांडेय,गोरखपुर सुधीर कुमार सिंह,अयोध्या राम नेत वर्मा,देवीपाटन अनिल कुमार द्विवेदी,आजमगढ़ वीरभद्र प्रताप,डॉ.राजू सिंह,अखिलेश मिश्रा,अमृतलाल अग्रहरि,देव प्रकाश मिश्रा,विभूति भूषण सिंह,ज्ञान दास गुप्ता,संजीव कुमार संजू सहित कई अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक रमेश लाल श्रीवास्तव द्वारा अक्षर मुद्रणालय 7 नॉर्मल स्कूल बिल्डिंग गांधी नगर बस्ती (उ0प्र0) 272001 से मुद्रित तथा निकट डीवाईएसपी कार्यालय डुमरियागंज जनपद सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272189 से प्रकाशित।
सम्पादक रमेश लाल श्रीवास्तव मो0नं0 : 9919230907 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सिद्धार्थनगर जनपद न्यायालय होगा। TITLE CODE : UPHIN01728, Email-newsbastikelog @gmail.com